श्री पथरचट्टी एवं पजावाका भरत मिलाप देखकर बहे अश्रु

लोकनाथ एवं कोतवाली चौराहेपर चारों भाइयोंका मिलनसे गूंजा जय श्रीरामका उद्घोष

श्री पथरचट्टी रामलीला कमेटी एवं श्री महंत बाबा हाथीराम पजावा राम लीला कमेटी की ओर से बुधवार देर रात लोकनाथ एवं कोतवाली चौराहे पर ऐतिहासिक भरत मिलाप देखकर लोगों के आंखों से आंसू निकल पड़े। इस ऐतिहासिक पल का इंतजार कर रही जनता ने मोबाइल में चारों भाइयों के मिलन को कैद किया। जिसके बाद जय श्रीराम के उद्घोष से पूरा लोकनाथ इलाका गूंज उठा। लोकनाथ चौराहे पर श्री पथचट्टी रामलीला कमेटी के अध्यक्ष पं. मुकेश पाठक और महामंत्री विजय सिंह ने चारों भाई राम, लक्ष्मण, भरत तथा शत्रुघ्न की पूजा की। उसके बाद राम अपने भाइयों से गले मिले। यह देखकर सभी की आंखों में आंसू छलक पड़े। दर्शक भी भावुक हो गये। इस दौरान कमेटी के धर्मेन्द्र कुमार, रमेश कुमार जायसवाल, राजीव गुप्त बिट्टू, लल्लूलाल गुप्त सौरभ, पं.सुधीर शर्मा, प्रदीप गुप्ता, उमा लाल पाण्डेय, राजेश वैश्य, शिवबाबू, शैलेन्द्र साहू, राजेश पाण्डेय आदि शामिल रहे। इसी तरह श्री महंत बाबा हाथीराम पजावा राम लीला कमेटी का भरत मिलाप का कार्यक्रम कोतवाली चौराहे पर सम्पन्न हुआ। जिसमें भक्ति भजन की श्रंखला में रोमा शर्मा एवं संजय मित्रा ने भजन प्रस्तुत किया। इस मौके पर भक्ति नृत्य एवं झांकी का कार्यक्रम बहुत ही मोहक प्रस्तुत हुआ। जिसमें कोतवाली चौराहे पर उपस्थित हजारों की जनता भजन गायन से मंत्र मुग्ध हो गई। जिसके बाद प्रभु श्री राम एवं भरत और लक्ष्मण एवं शत्रुघ्न गले मिले।

जिसे देख लोगों में खुशी की लहर दौड़ उठी। सभी लोगों ने जय श्रीराम के जयकारों से स्वागत किया। कार्यक्रम में कमेटी की ओर से कोषाध्यक्ष अमिताभ टंडन, वित्त मंत्री सचिन कुमार गुप्ता, लीला संयोजक राजेश मल्होत्रा, अशोक मालवीय मोहन जी टंडन, संदीप गुप्ता, संजीव गुप्ता, रवि गुप्ता, विक्की गुप्ता, सागर पांडे, आशीष गुप्ता, रोहन पांड आदि मौजूद रहे।



बरगद घाटपर रावणका वध करते प्रभु श्रीराम।

बरगद घाटपर मारा गया पजावाका १५ फीटका रावण

सत्यकी असत्यपर जीतके साथ लंकापति दशाननका वध

श्री महंत बाबा हाथीराम पजावा रामलीला कमेटी की ओर से विजयदशमी के मौके पर मीरापुर स्थित बरगद घाट पर १५ रावण का वध भगवान श्री राम ने किया। जिसे देख दर्शकों का उत्साह दो गुना हो गया। जय श्री राम के उद्घोष से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो गया।

पजावा का रामदल विजयदशमी यानी २० अक्तूबर की शाम सात बजे शुरू हुआ। सर्वप्रथम प्रभु श्रीराम द्वारा मीरापुर स्थित बरगद घाट में रावण वध का कार्यक्रम पूरी भव्यता के साथ हुआ।

तत्पश्चात आरती का कार्यक्रम संपन्न होते ही भव्य राम दल रात नौ बजे खुल्दाबाद से निकला। जिसमें झंडा-पताका के साथ १० कलात्मक झांकियां जिसमें विशेषकर ताड़का वध, अहिल्या उद्धार, कबंध उद्धार, रावण दरबार सीता स्वयंवर ,सीता हरण, बाली सुग्रीव युद्ध प्रसंग पर आधारित झांकियां शामिल रहीं। दस बैंड बाजे हनुमान जी, शंकर जी, गणेश जी की सवारी एवं भगवान श्री राम भाई लक्ष्मण सहित हाथी में चांदी के हौदे पर विराजमान एवं नवीनतम ऐरावत हाथी पर आगे आगे माता सीता सवार होकर जनमानस के सामने दर्शनार्थ प्रस्तुत हुए। भगवान श्री राम-लक्ष्मण की अगुवाई कमेटी के कोषाध्यक्ष अमिताभ टंडन, वित्त मंत्री सचिन कुमार गुप्ता, लीला संयोजक राजेश मल्होत्रा, राजगद्दी संयोजन मोहन भैया जी टंडन, गिरीशंकर प्रभाकर, राजीव कृष्ण श्रीवास्तव, राम जी केसरवानी, राकेश मल्होत्रा, सागर पांडे, अंकित प्रभाकर, रवि गुप्ता, आशीष गुप्ता रोहन पांडे आदि ने की।

बंद मकानका ताला तोड़कर नकदी एवं गहने चोरी

किदवई नगर अल्लापुर में एक बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपये मूल्य के जेवरात और नकदी चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित वासुदेव पांडेय ने जार्जटाउन थाने में तहरीर दी है। उनके अनुसार, १४ सितंबर को तबीयत खराब होने पर घर पर ताला लगाकर लखनऊ चले गए थे। इसी बीच चोर ताला तोड़कर मकान के अंदर दाखिल हुए और आलमारी व बक्से का लॉक तोड़कर नकदी व जेवरात ले गए। जार्जटाउन पुलिस का कहना है कि मौका मुआयना किया गया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

श्री पथरचट्टीकी नयनाभिराम झांकियोंने किया मोहित, बरसे फूल



पूरे सजधजके साथ निकला श्रीपथरचट्टीका रामदल

श्री पथरचट्टी की ओर से दशमी पर पूरे सजधज के साथ रामदल निकाला गया। इस दौरान नमनाभिराम झांकियों ने पूरी जनता को मोहित कर दिया। हाथी पर सवार श्रीराम एवं कृष्ण को देखने के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। बुधवार सुबह तक लोग टकटकी लगाये रहे। पूरे सजधज के साथ निकले रामदल को दर्शक सम्मान और आस्था के साथ देखते, आनंदित, होते रहे। कुल एक दर्जन से अधिक निकली झांकियों की कलात्मकता, संवाद पात्र आदि सबकुछ सराहनीय रहे। न्यू बाल जागृति कमेटी की 'हनुमान को न भायी कालनेमि की चतुराई', श्री बाल मण्डल की 'लंकिनी तक पहुँच गये वीर हनुमान', सहयोग व्यापार मण्डल की 'कुम्भकर्ण वध, कालीबाड़ी मिलन संघ की' शिव शक्ति मिलन, शुद्ध प्लस चौकी कमेटी की 'राम केवट संवाद', जन कल्याण चौकी कमेटी की 'लंका दहन,' रजत इवेंट की 'राम द्वारा अहिल्या उद्धार', मां वैष्णवी चौकी कमेटी की 'चित्रकूट धाम' आदि झांकियां दर्शकों के बीच आकर्षण का केंद्र रही। इस मौके पर पं. मुकेश पाठक, विजय सिंह, गिरधारी लाल अग्रवाल, धर्मेन्द्र कुमार भइया जी, विजय वैश्य, पं. सुधीर शर्मा, रमेश कुमार जायसवाल, कन्हैयालाल गुप्ता, राजीव गुप्त बिट्टू, राजेश वैश्य, लल्लूलाल गुप्त सौरभ, अंशुमान मालवीय शरद, गोपाल जी केसरवानी, पवन कुमार गुप्ता, शैलेन्द्र साहू, प्रदीप गुप्ता आदि मौजूद रहे। मंत्री नंदगोपाल गुप्ता नन्दी और पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता ने उपस्थित होकर सारी झांकियों को देखा और सराहना की।

'कथा रामराजकी' में मारा गया रावण, रामकी जय-जयकार

श्री पथरचट्टी की रामलीला की ओर से मंचित 'कथा रामराज की' में विजयदशमी पर रावण का वध होते ही तीनों लोकों में प्रसन्नता का ऐसा वातावरण छाया कि हर ओर राम की जय जयकार होने लगी। रावण वध की लीला का मंचन दर्शकों को बहुत ही भाया। मंचन में रावण का सर बार-बार कट कर फिर जुड़ जाना, रावण का जीवित हो जाना, राम और उनकी सेना के लिए बड़ी चिंता का कारण बना गया। विभीषण के यह बताने पर कि रावण की नाभि में अमृत का कुंड उसे बार बार जीवित कर देता है। राम ने एक बाण से नाभि के अमृत को सुखा दिया। रावण के शरीर के अंग-अंग टुकड़ों मे धरती पर बिखर गया। तीनों लोक तीनो लोक सुखी हो गये और राम के लिए सबका जयकारा आसमान में तक देर तक गूंजता रहा।

राजा रामचंद्रकी जयसे गूंजा मुट्ठीगंज, चकाचौंध रोशनीने किया आकर्षित

पथरचट्टी रामलीला कमेटी का राम दल का किया भव्य स्वागत

विजय दशमी का दशहरा पर्व बडी धूमधाम के साथ मनाया गया मेले में भगवान श्री राम का अलौकिक दर्शन को प्राप्त करने के लिए लाखों राम भक्तो की भीड़ उमड़ी रही और भक्तों के द्वारा राजा रामचंद्र की जय की जयकारे से पूरा मुट्ठीगंज दशहरा मेला का क्षेत्र गूंज उठा। पथरचट्टी रामलीला कमेटी के द्वारा निकाले गए भव्य राम दल का आर्य कन्या चौराहा, मुट्ठीगंज चौराहा, रामभवन चौराहा, बहादुर गंज, ऊंचा मंडी,चौक क्षेत्र में भव्य स्वागत किया गया। राम दल में दर्जनों राम चरित्र प्रसंग पर आधारित झांकियां शामिल हुई और भक्तों का मनमोह लिया और रोशनी कमेटियों के मंचों के द्वारा सभी झांकियों को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर प्रयाग उत्थान समिति के अध्यक्ष डा. उदय प्रताप सिंह ने सभी झांकियों को समिति के स्वागत मंच से ५१०० रूपये और राम दरबार का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित एवं पुरस्कृत किया। मुट्ठीगंज चौराहे पर श्री सहयोग व्यापार मंडल रोशनी कमेटी, श्री मुट्ठीगंज गंज रोशनी कमेटी, न्यू बाल संघ रोशनी कमेटी,बाल संघ रोशनी कमेटी की ओर से शानदार लाइटिंग से ५० फीट का स्वागत गेट बनाया गया, जिसे देखने के लिए मुट्ठीगंज चौराहे पर भक्तों की भीड़ बुधवार सुबह छह बजे तक सुबह तक उमड़ी रही। मेले में रामायण के प्रसंगों पर आधारित, कालनेमी की चतुराई, जटाऊ उद्धार,केवट प्रसंग, विष्णु जी के दस अवतार, लंका दहन, लंकनी वध कर लंका में किए प्रवेश हनुमान, राम लक्ष्मण का भक्त शबरी के आश्रम में आना,केवट द्वारा राम-लक्ष्मण, माता सीता को गंगा पार कराना, श्री राम के द्वारा शापित अहिल्या का उद्धार, श्री राम द्वारा कुंभकरण का वध आदि प्रसंगों पर दर्जनों कलात्मक झांकियां शामिल रहीं। इस दौरान कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, सांसद उज्जवल रमण सिंह, महापौर, विधायक हर्ष वर्धन वाजपेई, कांग्रेस नेता विजय मिश्रा, शिव सेना प्रांत अध्यक्ष अभिषेक ठाकुर ने सभी को स्वागत मंच से दशहरे की बधाई दी। राम दल के स्वागत में सतीश चंद्र केसरवानी, उमेश चंद्र केसरवानी दादा, राजकुमार गुड, राजेश केसरवानी, पूर्व पार्षद विजय वैश्य, रमेश चंद्र केसरवानी, विकास केसरवानी, हिमांशु अग्रहरि, शिवबाबू अग्रहरि, संतोष अग्रहरि, आदि ने अपने स्वागत मंचों से रोशनी कमेटी के पदाधिकारियों के साथ स्वागत किया।

हस्तशिल्प एवं लोक कलाओंसे सजेगा एनसीजेडसीसी

दीपावली की रौनक, हस्तशिल्प की चमक और लोक संगीत की गूंज कुछ ऐसा ही नजारा गुरुवार से उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के शिल्प हाट में देखने को मिलेगा। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत आयोजित १४ दिवसीय 'दीपावली शिल्प मेला-२०२६' का शुभारंभ २२ अक्टूबर को शाम ५ बजे होगा। इस बार मेले में १६ राज्यों के शिल्पकार अपने पारंपरिक उत्पादों और हस्तकलाओं के साथ शामिल होंगे, जबकि करीब ५२७ कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से शहरवासियों को देश की समृद्ध लोक संस्कृति से रूबरू कराएंगे। केंद्र परिसर स्थित शिल्प हाट में आयोजित यह मेला चार नवंबर तक चलेगा। प्रतिदिन सुबह ११ बजे से रात नौ बजे तक आमजन मेले का आनंद ले सकेंगे। मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि के.पी. सिंह आईजी (सेवानिवृत्त) प्रान्त अध्यक्ष, विश्व हिन्दू परिषद, प्रयागराज करेंगे। मेले में देश के विभिन्न हिस्सों से आए शिल्पकार अपनी विशिष्ट कलाओं का प्रदर्शन करेंगे।

भारी यात्री मांगके बावजूद भारतीय रेल के समयपालनमें निरंतर सुधार

भारी यात्री मांग के बावजूद भारतीय रेल यात्रियों को सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के साथ-साथ समयपालन में निरंतरता और सुधार सुनिश्चित कर रही है। यह बेहतर निगरानी, समय-सारणी के युक्तिकरण, रखरखाव में सुधार तथा अवसंरचना के उन्नयन के माध्यम से संभव हो रहा है। समयपालन संबंधी आंकड़ों के अनुसार, भारतीय रेल का समयपालन प्रतिशत वर्ष २०१८-१९ में ६९.२ प्रतिशत था, जो वर्ष २०२५-२६ में बढ़कर ७७.४३ प्रतिशत हो गया। वहीं, वर्तमान वित्तीय वर्ष २०२६-२७ में अब तक समयपालन का स्तर ७७.११ प्रतिशत रहा है। पिछले तीन वर्षों, जिसमें वर्तमान वित्तीय वर्ष भी शामिल है, के दौरान समयपालन का स्तर लगातार ७७ प्रतिशत से अधिक बना हुआ है। यह वर्ष २०२३-२४ के ७३.६२ प्रतिशत की तुलना में बेहतर प्रदर्शन को दर्शाता है। सोशल मीडिया पर प्रसारित किए जा रहे समयपालन संबंधी आंकड़ों को उनके वास्तविक संदर्भ से अलग करके प्रस्तुत किया जा रहा है, जिससे भ्रामक निष्कर्ष निकल सकते हैं। उन वर्षों के समयपालन आंकड़ों की सीधी तुलना करना उचित नहीं है, जब भारतीय रेल का परिचालन पूर्ण क्षमता के साथ नहीं हो रहा था। अतः कोविड-१९ महामारी के दौरान दर्ज किए गए उच्च समयपालन प्रतिशत को तुलना का उपयुक्त आधार नहीं माना जा सकता। सामान्य रेल परिचालन बहाल होने के बाद समयपालन का स्तर दीर्घकालिक औसत के निकट आया और इसके पश्चात इसमें पुनः निरंतर सुधार दर्ज किया गया है। यह पुनः स्पष्ट किया जाता है कि वर्ष २०२०-२१ एवं २०२१-२२ में समयपालन के असामान्य रूप से उच्च आंकड़े उस अवधि में दर्ज किए गए थे, जब कोविड-१९ महामारी के कारण बहुत कम रेलगाड़ियों का परिचालन हो रहा था। अतः इन आंकड़ों की तुलना सामान्य परिचालन वाले वर्षों से करना उचित नहीं है।

श्री पथरचट्टीकी स्मारिकाका विमोचन



भारतीय पुराणों, शास्त्रों, और अनेक दुर्लभ ग्रंथो से एकत्र की हुयी रचनाओं से पूर्ण श्री पथरचट्टी की ४८वें वर्ष की स्मारिका का विमोचन बुधवार को एक समारोह में सम्पन्न हुआ। टीकर माफी आश्रम के महंत हरि चैतन्य ब्रह्मचारी, और न्यायमूर्ति विपिन दीक्षित ने स्मारिका का विमोचन करते हुए पथरचट्टी को साधुवाद दिया। ब्रह्मचारी महाराज ने कहा कि राम परम कृपालु हैं, प्रतिवर्ष उनकी अनुकरणीय लीला देख कर हमें प्रेरणा मिलती है।

राम की भांति जीवन जीने का विचार मन में जाग्रत होता है। वहीं न्यायमूर्ति ने कहा कि सभी मानवों के लिए प्रेरक राम की कथा को सुनना और देखना, दोनों श्रेयस्कर है।

दो कमेटियोंके रामने रावणसे किया युद्ध, एकने किया वध

अलोपीबाग लीला मैदानमें पहुंचे श्री दारागंज एवं कटराके भगवान ब्रह्म हत्याके पापसे मुक्तिके लिए मां अलोपशंकरी मंदिरमें किया पूजन

अलोपी बाग लीला ग्राउंड पर श्री दारागंज और श्री कटरा रामलीला कमेटी के श्री राम ने विजयदशमी की मौके पर संयुक्त रूप से रावण से युद्ध किया और संयुक्त रूप से वाण भी चलाये लेकिन रावण का वध दारागंज के श्री राम ने किया।

दोनों कमेटियों के भगवान मां अलोपशंकरी मंदिर पहुंचे और ब्रह्म हत्याके पाप से मुक्ति के लिए पूजन किया।

प्रयाग की दो प्राचीन रामलीला कमेटी श्री दारागंज रामलीला कमेटी एवं कटरा रामलीला कमेटी का संयुक्त रावण वध प्राचीन समय से अलोपी बाग लीला ग्राउंड पर होता चला आ रहा है। इसी परंपरा के अंतर्गत दोनों कमेटियों के प्रभु श्री राम के द्वारा संयुक्त रूप से रावण वध किया गया। सर्वप्रथम भगवान की सवारी दारागंज स्थित शृंगार भवन से निकलकर जीटी रोड होते हुए लीला मैदान पहुंचती है। दूसरी तरफ कटरा रामलीला कमेटी के भगवान दलबल के साथ अलोपी बाग लीला मैदान पर उपस्थित होते हैं।

वहां लीला संयोजक पंडित सियाराम शास्त्री के निर्देशन में रावण वध की लीला शुरू हुई। जिसमें प्रभु श्री राम और रावण का भयंकर युद्ध होता है।

अंत में श्री दारागंज रामलीला कमेटी के प्रभु श्री राम द्वारा रावण को बाण मारा जाता है।

रावण को तीर लगाते ही उसमें लगे पटाखे धू, धू कर जलने लगा और चारों ओर उपस्थित सभी लोगों ने जय श्री राम का जयकारा लगाया। कमेटी के मीडिया प्रभारी तीर्थराज पाण्डेय बच्चा भैया ने बताया कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार श्री कटरा रामलीला कमेटी भारद्वाज मुनि के कारण रावण को अपना भांजा मानती है।

इसलिए वह रावण का दहन नहीं करते इसीलिए दारागंज के प्रभु श्री राम के द्वारा उनका वध किया जाता है। वध करने के पश्चात दोनों कमेटियों के प्रभु श्री राम और पदाधिकारी मां अलोप शंकरी के दरबार में पहुंचते हैं और ब्रह्म हत्या के पाप से मुक्ति के लिए मां की आराधना और पूजा करते हैं।

उसके पश्चात दोनों कमेटियों के भगवान रथ सहित अपने निर्धारित मार्ग से वापस जाते हैं।

इस मौके पर विधायक हर्षवर्धन बाजपेई, कमेटी के अध्यक्ष कुल्लू यादव, महामंत्री जितेंद्र गौड़, हीरालाल यादव राजू, अरविंद पाण्डेय, ओम प्रकाश चौधरी, राहुल यादव, पंचू यादव, संजय पाठक, मुन्ना आजाद, विक्कू निषाद, शिबू सोनी, कन्हैया चौरसिया, के साथ कटरा रामलीला कमेटी के पदाधिकारी मौजूद रहे।

२५ अत्तूबर को श्री दारागंज रामलीला कमेटी का ऐतिहासिक भरत मिलाप का अंतिम आयोजन, निराला चौराहे पर होगा और सुबह भगवान की सवारी संगम स्नान को जाएगी।

साथ ही इस वर्ष के दशहरे का समापन होगा।

बाजार जानेके लिए निकली दो बहनें गायब, तलाश

जॉर्जटाउन के अल्लापुर के किदवई नगर व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि सोमवार शाम करीब सात बजे उनकी दोनों बेटियां बाजार जाने के लिए घर से निकली थीं। रात करीब १०:३० बजे तक दोनों वापस नहीं लौटीं। इसके बाद परिवार को चिंता हुई और उनकी तलाश शुरू की गई। लेकिन दोनों का कुछ पता नहीं चल सका। घटना के बाद पुलिस घर और बाजार के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगालना शुरू कर दिया है।

एलईडी डिस्प्लेपर युवकने फेंका पत्थर, सैन्यकर्मियोंने पकड़ा

वायुसेना स्टेशन मनौरी के वारंट अधिकारी अजय सिंह यादव की ओर से पूरामुफ्ती थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। उन्होंने तहरीर में बताया कि एक युवक जीटी रोड पर पैदल जा रहा था। इसी दौरान उसने स्टेशन के सब गार्ड रूम के गेट पर लगे एलईडी डिस्प्ले पर पत्थर फेंक दिया। वहां तैनात डीएससी के नायक एम किंगहेन ने उसे ऐसा करते देख लिया। जिसके बाद सुरक्षा कर्मियों ने बिहका निवासी मोहम्मद दानिश सिद्दीकी को पकड़ लिया। शिकायत में उसकी बहन का भी उल्लेख है। पकड़े गए आरोपी को पुलिस को सौंप दिया गया।

पीडीए की एकजुटता भाजपा को सत्तासे करेगी दूर-श्यामलाल पाल

भाजपा कर रही साजिश, मतदानके पूर्व सपा नेताओं को नजर बंदकी योजना -डा.मानसिंह



समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने बुधवार को पत्रकारों से कहा कि सत्ता धारी भाजपा के पास जनता के सवालों का जवाब नहीं है। पीडीए की एकजुटता से पूरी तरह घबराई हुई है। बेरोजगारी, पेपर लीक, किसानों की समस्याओं, महंगाई, वोट चोरी, चंदा, दान चोरी आदि मुद्दों पर भाजपाई जवाब देने से कतराते हैं। जबकि प्रदेश की जनता इन्ही मुद्दों को लेकर भाजपा को सत्ता से दूर करने के लिए तैयार है। सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने दावा किया कि प्रदेश हो रहे शिक्षक एवं स्नातक एमएलसी के चुनाव में सर्वाधिक सीटों पर समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार विजय श्री हासिल करेंगे। एमएलसी उम्मीदवार डा. मानसिंह यादव ने कहा कि भाजपा प्रशासन के सहारे साजिश कर रही है।आरोप लगाया कि मतदान के दिन समाजवादी पार्टी के प्रभावशाली नेताओं को उनके घरों में नजरबंद करने का प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को डराने, धमकाने का प्रयास किया जायेगा। अंदेशा है कि मिल्कीपुर का इतिहास दुहारने की कोशिश की जाएगी। कहा कि उनके मुद्दे अडिग हैं, पेपर लीक रोकने, शिक्षा मित्रों की सम्मानजनक स्थिति, एडवोकेट प्रोटेक्सन एक्ट, अनुदेशकों को मानदेय, वित्त विहीन शिक्षकों को मानदेय, परीक्षा कैलेंडर जैसे कार्य सपा सरकार में होंगे। दावा किया कि मतदाताओं का रुझान भी अडिग है। इस दौरान जिलाध्यक्ष अनिल यादव, महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, विधायक श्रीमती विजमा यादव, हाकिम लाल बिन्द, श्रीमती गीता शास्त्री, संदीप पटेल, पूर्व विधायक हाजी मुजतबा सिद्दीकी, हाजी परवेज अहमद, सत्य वीर मुन्ना, अमर नाथ मौर्य, प्रवक्ता दान बहादुर मधुर, रविंन्द्र यादव एडवोकेट, इंजी जगदीश यादव सहित तमाम नेता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

अधिवक्ता सतीश चंद्र श्रीवास्तवके परिवारवालोंसे मिले सपा नेता

सलोरी में बीते १५ अत्तूबर को अधिवक्ता सतीश चंद्र श्रीवास्तव की दिन दहाड़े गोली मारकर हत्या कर देने के मामले में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर बुधवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, प्रदेश कार्यालय में निर्वाचन का कार्य देख रहे प्रदेश सचिव केके श्रीवास्तव सहित स्थानीय नेताओं, पदाधिकारी हत अधिवक्ता के घर पहुंचे और उनकी पत्नी श्रीमती वर्षा श्रीवास्तव, पुत्रियां वैष्णवी एवं वैशाली सहित मौजूद रिश्तेदारों से मुलाक़ात की। पत्नी एवं बेटियों ने जमीनी विवाद को लेकर दिन दहाड़े हुई हत्या की घटना रो- रो कर बयान किया तथा अभी तक किसी भी तरह की सरकारी मदद न मिलने के प्रति गुस्सा एवं आक्रोश भी जताया। पीड़ित परिजनों को ढाढ़स बधाते हुए सपा प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश सचिव ने कहा कि इस दुःख की घड़ी में पूरी पार्टी उनके साथ खड़ी है और न्याय दिलाने में हर संभव मदद करेगी। नेता द्वय ने परिजनों को सपा प्रमुख अखिलेश यादव से भी मिलाने का आश्वासन दिया।

'रामवाटिका' में धूमधामसे मनाया प्रभु श्रीरामका राज्याभिषेक, छाया उल्लास

श्री कटरा रामलीला कमेटीकी स्मारिकाका विमोचन, 'गाथा रामकी' सम्पन्न

श्री कटरा रामलीला कमेटी के तत्वावधान में आयोजित भव्य रामलीला मंचन 'गाथा राम की' का अंतिम दिवस अत्यंत उत्साह, उल्लास और भक्तिमय माहौल के साथ सम्पन्न हुआ। इस मौके पर प्रभु श्री राम के भव्य राज्याभिषेक का मंचन किया गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

राज्याभिषेक के मंचन से पूर्व श्री कटरा राम लीला कमेटी की स्मारिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में महापौर एवं संत हरि चेतन्य ब्रह्मचारी महाराज ने उपस्थिति दर्ज कराई और स्मारिका का लोकार्पण किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में कमेटी के पदाधिकारियों और सदस्यों का विशेष योगदान रहा। इस मौके पर अध्यक्ष सुधीर गुप्ता 'कक्कू', महामंत्री उमेश केसरवानी, कोषाध्यक्ष अश्वनी केसरवानी, उपाध्यक्ष विनोद केसरवानी, आनंद अग्रवाल, मयंक अग्रवाल, मंत्री शिव बाबू गुप्ता, महेश चंद्र गुप्ता, विपुल मित्तल, कार्यकारिणी सदस्य दिलीप चौरसिया, मीडिया प्रभारीः डा. पवन प्रजापति एवं कमेटी प्रतिनिधि आलोक गुप्ता के साथ अनेक नागरिक, प्रबुद्ध जन और भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहकर प्रभु श्री राम के राज्याभिषेक के साक्षी बने और धर्मलाभ प्राप्त किया।

राम लीला मंचन के निर्देशक अतुल यदुवंशी के निर्देशन में राज्याभिषेक के मंचन की शुरुआत गुरु वशिष्ठ द्वारा प्रभु श्री राम और माता सीता के तिलक एवं पवित्र नदियों के जल से जलाभिषेक के साथ हुई। वैदिक मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और मृदंग की गूंज के बीच जैसे ही गुरुदेव ने भगवान श्री राम के मस्तक पर रत्नों से जटित राजमुकुट सुशोभित किया, पूरा प्रांगण 'जय श्री राम', 'सियावर रामचंद्र की जय' और 'राजा राम चंद्र की जय' के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। मंचन के दौरान भरत जी द्वारा छत्र धारण करने, लक्ष्मण व शत्रुघ्न द्वारा चंवर झुलाने तथा प्रभु श्री राम के चरणों में परम भक्त हनुमान जी के भक्ति भाव का दृश्य अत्यंत जीवंत और अलौकिक प्रतीत हो रहा था। आकाश से हुई पुष्पवर्षा ने वातावरण को पूरी तरह से भक्तिमय बना दिया।

रामलीलाके सभी पात्रोंका सम्मान

कार्यक्रम के उत्तरार्ध में मुख्य अतिथियों एवं आयोजकों द्वारा मंचन में भाग लेने वाले सभी कलाकारों को अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न (मोमेंटो) एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।?प्रमुख सम्मानः भगवान श्री राम, माता सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न, हनुमान जी तथा गुरु वशिष्ठ की भूमिका निभाने वाले कलाकारों के साथ-साथ संगीत एवं प्रकाश व्यवस्था से जुड़े सहयोगियों को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर वक्ताओंने कहा कि प्रभु श्री राम का राज्याभिषेक केवल एक पौराणिक कथा का मंचन नहीं, बल्कि समाज में धर्म, न्याय, भ्रातृ प्रेम, सत्य और मर्यादा पर आधारित 'रामराज्य' के मूल्यों को पुनर्जागृत करने का एक पावन प्रयास है। कार्यक्रम का समापन आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

अल्लापुरकी रामलीलामें दशाननका वध, आकाशसे पुष्प वर्षा

मेघनाथके बाद कुंभकरणके वधको देखकर दर्शकोंने बजायी ताली

श्री बाघंबरी क्षेत्र अल्लापुर रामलीला की ओर से रामलीला का मंचन पतंजलि मिश्र शासकीय अधिवक्ता उच्च न्यायालय ने संयुक्त रूप से भगवान के पूजनके साथ किया।प्रसंग में रामादल लंका पर आक्रमण करता है। मेघनाद के साथ युद्ध में लखन लाल को शक्ति लग जाती है हनुमान जी संजीवनी लाते हैं। सुषेण वैद्य लखन लाल को स्वस्थ करते हैं। अगले दिन लखन लाल मेघनाद का वध कर देते हैं। रावण कुंभकर्ण को जगवाता है, कुंभकर्ण रावण को फटकारता है कि जगदंबहीन हरि आनि के सठ चाहत कल्याण। किन्तु रावण के कहने पर भयंकर युद्ध करता है। रामादल में त्राहिमाम मच जाता है तब राम आते हैं उसका वध करते हैं। अहिरावण राम-लक्ष्मण को पातालपुरी ले जाता है जहां हनुमान जी देवी रूप में पहुंचते हैं और उसका वध करते हैं। अन्त में रावण स्वयं आता है , राम के साथ भयंकर युद्ध होता है। भीषण की सलाह पर राम उसकी नाभि में बान मारकर अंत कर देते हैं। आसमान से देवता पुष्प वर्षा करते हैं। इस मौके पर सत्यम शुक्ला, शशिशेखर तिवारी, सुरेंद्रनाथ मिश्र, राम मूर्ति मिश्रा, दिनेश पाण्डेय, डा. रामचंद्र शुक्ल,आचार्य शिवम पांडेय, वीरेंद्र तिवारी, चंदन भट्ट, मनोज मिश्रा, ओम प्रकाश मिश्र बच्चा भैया, कक्कू पाण्डेय, अनिरुद्ध, अमित त्रिपाठी, भानु सिंह पटेल, गौरव साहू सहित बड़ी संख्या में जन मानस और रामजी के रूप में शिवा कुमार, लक्ष्मण के रूप में दीपेंद्र सिंह, सीताजी के रूप में सृष्टि जाना, हनुमान जी के रूप में धनंजय तिवारी , रावण के रूप में विक्रांत, मेघनाद के रूप में विवेक श्रीवास्तव तथा निर्देशन प्रख्यात निर्देशिका प्रिया मिश्रा ने किया।

प्रख्यात गीतकार पं. दयाशंकर पाण्डेयका निधन

देश के प्रतिष्ठित गीतकार पं. दयाशंकर पाण्डेय का २० अक्तूबर को विजयदशमी के दिन ८८ वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने अपने निवास 'सृजन-सदन' में अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार दारागंज घाट पर किया गया। मुखाग्नि उनके पुत्र आलोक कुमार पाण्डेय ने दी।

७ अगस्त १९३६ को मेजा के शुक्लपुर में जन्मे पं. पाण्डेय ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बीए और एलएलबी की उपाधियां प्राप्त की थीं। वह महालेखाकार कार्यालय, उत्तर प्रदेश में वरिष्ठ लेखाधिकारी रहे, और अगस्त १९६७ में सेवानिवृत्त हुए। वह कार्यालय की पत्रिका 'तरंग' के संपादक भी थे। उनके गीत देश की प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होने के साथ आकाशवाणी और दूरदर्शन से प्रसारित होते रहे। 'सुधियों की परतें', 'परछाइयां' और 'प्रतीक्षा' उनकी चर्चित काव्य-कृतियां हैं। उनकी प्रभावशाली वाणी और सशक्त गीत-रचना ने उन्हें साहित्य जगत में विशिष्ट पहचान दिलाई। उनकी स्मृति में 'सर्जनपीठ' की ओर से शायर तलब जौनपुरी की अध्यक्षता में शोकसभा आयोजित हुई। इस मौके पर प्रो. रवि मिश्र, आचार्य पं. पृथ्वीनाथ पाण्डेय, गीतकार डा. वीरेन्द्र कुमार तिवारी, उर्वशी उपाध्याय और कथाकार शिवमूर्ति सिंह साहित अन्य साहित्यकारों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने उनके सरल व्यक्तित्व, साहित्यिक योगदान और नवोदित रचनाकारों को प्रोत्साहित करने की भावना को याद किया।

पजावा-पथरचट्टीके श्रीराम-लक्ष्मण मिले तो जयकारोंसे गूंज उठा लोकनाथ

ऐतिहासिक पलका गवाह बना लोकनाथ चौराहा



इतिहास में यह पहली बार हुआ कि लोकनाथ चौराहे पर श्री महंत बाबा हाथीराम पजावा रामलीला कमेटी के हाथी पर सवार भगवान श्रीराम-लक्ष्मण एवं श्री पथरचट्टी रामलीला कमेटी के हाथी पर सवार भगवान श्रीराम-लक्ष्मण के साथ मिले।

इस अद्भुत पल को देखने के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। लोगों ने अपने मोबाइल में इस ऐतिहासिक पल को कैद कर दिया। एक साथ दोनों कमेटियों के भगवान को देखकर लोग श्रीराम का जयकारा लगाने लगे। जिससे पूरा लोकनाथ इलाका गुंजायमान हो उठा। पजावा के वित्तमंत्री सचिन कुमार गुप्ता ने बताया कि दरअसल भोर करीब चार बजे उनका दल लोकनाथ चौराहे से होकर गुजर रहा था। हाथी पर सवार भगवान श्रीराम-लक्ष्मण रामदल के पीछे थे। तभी देखा कि पथरचट्टी के आगे हाथी पर सवार होकर चल रहे भगवान श्रीराम-लक्ष्मण भी बताशा मंडी होते हुए वहां पहुंच रहे हैं। उनके निवेदन पर दोनों कमेटियों के भगवान का मिलन लोकनाथ चौराहे पर कराया। यह इतिहास में पहलीबार हुआ है कि दोनों कमेटियों के भगवान का एक साथ लोगों ने दर्शन किया है।